होम

लोकसभा चुनाव LIVE: मुलायम के लिए प्रचार करेंगी मायावती, 19 अप्रैल को यूपी के...

4 MIN AGO

होम

आ रहे Kerala Lottery Nirmal NR-112 लॉटरी के नतीजे,यहां...

7 MIN AGO

होम

भीम आर्मी की हुंकार रैली,चंद्रशेखर जंतर-मंतर...

8 MIN AGO

समाचार

छोटी बहू अपर्णा के लिए मुलायम ने अखिलेश से मांगी ये...

9 MIN AGO

समाचार

सुल्तानपुर से कांग्रेस प्रत्याशी होंगे संजय सिंह, 2014 में पत्नी की जमानत तक...

9 MIN AGO

Browse By Topics

फोटोग्राफ

मुंबई में बड़ा हादसा

आम चुनाव

आलिया भट्ट

क्राइस्टचर्च गोलीबारी

VIEW ALL TOPICS

Newspapers

Sunday, 13 Jan, 5.46 pm
पुणे समाचार

पुणे

होम

दिल्ली में गेहूं से संबंधित विकारों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

नई दिल्ली (आईएएनएस) : समाचार ऑनलाईन - सीलिएक रोग के शुरुआती निदान व प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा लिए यहां राष्ट्रीय राजधानी में गेहूं से संबंधित विकारों पर 'अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसडब्ल्यूडी) 2019' ऑटोइम्यून डिसऑ संबंधित बीमारियों और ग्लूटन-फ्री जीवन शैली के विज्ञान को समझने पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम का आयोजन 'द सीलिएक ऑफ इंडिया (सीएसआई)' ने किया। शनिवार से शुरू हुए दो दिवसीय आईएसडब्ल्यूडी में दुनिया भर के प्रतिनिधि भाग ले जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, न्यूजीलैंड और इजरायल के पेशेवर शामिल हैं।

सीएसआई ने एक बयान में कहा कि भारत में लगभग 60 से 80 लाख लोग सीलिएक रोग से पीड़ित हैं। यह ग्लूटन एलर्जी इनटॉलेरेंस से अलग है। सीलिएक रोग वाले लोगों में ग्लूटेन से छोटी आंत को नुकसान पहुंच सकता है। यह एक प्रकार का डिसऑर्डर है, जो आनुवांशिक रूप से इस कंडीशन के शिकार लोगों में होता है। सीलिएक सोसाइटी ऑफ इंडिया की संस्थ अध्यक्ष इशी खोसला ने कहा, "ग्लूटन सेंसिटिविटी आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है और कई बार, इसे रोग के लिए भी प्रयोग कर लिया जाता है। तथ्य यह है कि कोई व्यक्ति ग्लूटन सेंसिटिव हो सकता है, भले ही उसे सीलिएक हालांकि, सीलिएक रोग वाला एक व्यक्ति ग्लूटन सेंसिटिव होता है।"

उन्होंने कहा, "ग्लूटन इनटॉलेरेंस वाले लोगों में ग्लूटन को आहार से हटा लेने पर लक्षणों से राहत मिलती है। यह ध्यान रखन है कि ग्लूटन को केवल विशेषज्ञ से सलाह से ही बंद करना चाहिए। गेहूं के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं और गेहूं का उपयो तैयार किए गए अधिकांश भोजन अन्य विकल्पों से भी बनाए जा सकते हैं। इनमें चावल, शरबत, क्विनोआ, अमरंथ, बाजर बकव्हीट शामिल है।" साइंटिफिक एडवाइजरी बोर्ड इंटरनेशनल एंड अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट ओब्रायन ने कहा, "कुछ लोग गेहूं के प्रति संवेदनशील हैं, यह भी महत्वपूर्ण है यह अनाज हमारे आहार का एक अनिवार्य हि जब तक इस तरह की स्थिति का निदान नहीं किया जाता है, तब तक इसे भोजन से पूरी तरह से बाहर करना अच्छा नहीं है

उन्होंने कहा, "सीलिएक रोग या ग्लूटन संवेदनशीलता वाले लोगों को, गेहूं, राई, सूजी, ड्यूरम, माल्ट और जौ जैसी चीजों से चाहिए। खरीदते समय उत्पादों के पीछे लेबल की जांच कर लें, ताकि यह समझ सकें कि उत्पाद में ग्लूटन मौजूद है या नहीं युक्त पैक्ड फूड के कुछ उदाहरणों में डिब्बाबंद सूप, मसाले, सलाद ड्रेसिंग, कैंडी, पास्ता आदि शामिल हैं।" आईएसडब्ल्यू आयोजन सचिव सरथ गोपालन ने कहा, "भारत में गेहूं से संबंधित विकारों के बारे में अधिक जागरूकता नहीं है। उदाहरण जिन लोगों को सीलिएक रोग का पता चला है, उनमें से कई को अपने आहार में सुधार करने के लिए ज्ञान की कमी है। इस का उद्देश्य इस प्रकार के सभी पहलुओं और इस कंडीशन के अन्य तरीकों को समझने के लिए आगे बढ़ने के तरीकों पर चर्च है।"

Dailyhunt

Related Stories

healthhunt

VIEW ALL NEWSPAPERS

होम

गेहूं का उत्पादन बढ़ने से किसान चिंतित, भाव कम मिलने का अंदेशा

5 hrs ago

© 2015 DailyHunt Privacy Policy